Hindi Murli Quiz 13-05-2015

यह क्विज आज की मुरली पर आधारित है |

Q.1) **"मीठे बच्चे --------- में बैठ अपने साथ बातें करो, हम अविनाशी आत्मा हैं, बाप से सुनते हैं, यह प्रैक्टिस करो" [निम्नलिखित विकल्पों में से एक सबसे सटीक शब्द से उपरोक्त रिक्त स्थान भरें]**

A. एकान्त
B. कमरे
C. शान्ति
D. विस्तर

Q.2) **"जो बच्चे याद में अलबेले हैं, वह कहते हैं - हम शिवबाबा के बच्चे हैं ही। याद में ही हैं। लेकिन बाबा कहते वह सब गपोड़े हैं, अलबेलापन है। इसमें तो पुरूषार्थ करना है । सवेरे उठ अपने को आत्मा समझ बैठ जाना है। रूहरिहान करनी है। अभी तुम देही-अभिमानी बनते हो। देही-अभिमानी बच्चे ही याद का चार्ट रखेंगे सिर्फ ज्ञान की लबार नहीं लगायेंगे"।**

A. True
B. False

Q.3) **शब्दों / वाक्यों को उनके अर्थ अनुसार ही मिलाएं ---**

	Choice	Match
A	मैं आत्मा बहुत छोटी बिन्दी हूँ और इस शरीर द्वारा पार्ट बजाती हूँ।	यह समझने से देह-अभिमान निकल जाए।
B	हम आत्मा इस सारे नाटक के एक्टर्स हैं।	ऊंच से ऊंच एक्टर है परमपिता परमात्मा ।
C	परमात्मा ज्ञान का सागर, सुख का सागर है।	परन्तु है छोटी बिन्दी ।
D	आत्मा को सिवाए दिव्य दृष्टि के देख नहीं सकते।	यह बातें थोड़े बच्चे ही यथार्थ रीति समझते हैं ।

Q.4) **सभी सही वाक्यों का चयन करें ---**

A. ज्ञानसागर बाप शरीर द्वारा ही ज्ञान सुना सकते हैं। अशरीरी होने से आरगन्स अलग हो जाते हैं।
B. भक्ति मार्ग में तो परमपिता परमात्मा के नाम, रूप, देश, काल को ही नहीं जानते। बस कह देते परमात्मा नाम-रूप से न्यारा है।
C. तमोप्रधान से सतोप्रधान बनने के लिए तुम्हें यह अवस्था मजबूत रखनी है कि हम आत्मा हैं, आत्मा इस शरीर द्वारा बात करती है।
D. ज्ञान सुनाने वाले तो बहुत हैं। परन्तु याद है नहीं। हमको बाप की याद से पतित से पावन बनना है, सिर्फ पण्डित नहीं बनना है।
E. बाप आते ही हैं साधारण तन में। न बहुत गरीब, न बहुत साहूकार।

Q.5) **एकान्त में बैठकर अपने साथ जो-जो बातें करनी है उनको मुरली अनुसार चयन करके स्पष्ट करें –---**

A. मैं आत्मा हूँ, बाप से सुन रहा हूँ।
B. धारणा मुझ आत्मा में होती है।
C. मुझ आत्मा में ही पार्ट भरा हुआ है।
D. मैं आत्मा अविनाशी हूँ।
E. हमें तमोप्रधान से सतोप्रधान बनना है।

Q.6) **शब्दों / वाक्यों को उनके अर्थ अनुसार ही मिलाएं ----**

	Choice	Match
A	बच्चे भल कह देते हैं आत्मा मूलवतन में निवास करती है,	परन्तु अनुभव से नहीं कहते।
B	जिन बच्चों को सतोप्रधान बनने की तात (लगन) है,	उनके मुख से कभी पत्थर नहीं निकलेंगे।
C	कोई भूल हुई तो झट बाप को रिपोर्ट करो ।	छिपाने से वह और ही वृद्धि को पाती है।
D	अभी तुम बच्चों पर बड़ी रेस्पान्सिबिल्टी है।	अपना कल्याण करने की युक्ति रचते रहो।
E	पावन दुनिया है शान्तिधाम और सुखधाम।	यह है अशान्तिधाम, दु:खधाम।

Q.7) **"ये 5 तत्व और 5 विकार आपके अधीन होकर चलें, इसके लिए दृढ़ संकल्प की बेल्ट से टाइटल्स की ड्रेस को टाइट करो। भिन्न भिन्न ड्रेस और श्रृंगार के सेट से सज-धज कर बाप के साथ रहो तो यह विकार वा तत्व परिवर्तन होकर सहयोगी सेवाधारी हो जायेंगे।"**

A. ◉ True
B. ○ False

Q.8) **शब्दों / वाक्यों को उनके अर्थ अनुसार ही मिलाएं ---**

	Choice	Match
A	जो कोई का कल्याण करता है तो उनकी महिमा भी की जाती है,	वह होती है देह की महिमा।
B	अन्य धर्म स्थापन करने वाले मोक्ष थोड़े ही देते हैं।	बाप ही आकर सबको पवित्र बनाकर वापिस ले जाते हैं, इसलिए बाप की ही महिमा है ।
C	तुमको कोई के शरीर छोड़ने का दु:ख नहीं होता है।	शरीर छोड़कर दूसरा पार्ट बजाने गया, रोने की क्या दरकार है।
D	ऐसे नहीं ड्रामा में होगा तो मिलेगा। नहीं, मेहनत करनी है।	देवताओं मिसल दैवीगुण धारण करने हैं।
E	एक शिवबाबा की पूजा ही अव्यभिचारी पूजा है।	अभी उस एक से ही सुनना है यह है अव्यभिचारी ज्ञान।

Q.9) **आज की धारणा पर आधारित यह एक्सरसाइज बहुत ध्यान से करें ------**

A. ☑ ज्ञान सुनाने के साथ-साथ योग में भी रहना है।
B. ☑ अच्छे मैनर्स धारण करने हैं। पावन बनने की युक्तियाँ निकालनी हैं।
C. ☑ बहुत मीठा बनना है। मुख से कभी पत्थर नहीं निकालने हैं।
D. ☑ अन्तर्मुखी बन एकान्त में बैठ अपने आप से रूहरिहान करनी है।
E. ☑ सवेरे-सवेरे उठकर बाप को बड़े प्यार से याद करना है।

Q.10) **"जिन गुणों वा शक्तियों का वर्णन करते हो उनके -------- में खो जाओ। ---------ही सबसे बड़ी अथॉरिटी है।"**
[निम्नलिखित विकल्प में से एक सबसे सटीक शब्द से दोनों रिक्त स्थान भरें]

A. ◉ अनुभव
B. ○ धारणा
C. ○ स्वरूप
D. ○ सागर